

P&G AND THE CALABRIA WEBSITE

Ferdinando Frega — Nando the Scribe

Gillettenarrative.com

पी एंड जी और कालाब्रिया की वेबसाइट

अप्रत्याशित होने के अपने फ़ायदे हैं, पर अपने अंधे कोने भी — वे पल जब आप स्पष्टता के आने की राह देखते हैं, और जो आता है वह मंज़िल का ठीक-ठीक पता लगा लेने के लिए शायद ही कभी काफ़ी होता है।

जब मैंने परिवार और दोस्तों को बताया कि मैं किताबें बेच नहीं रहा, मुफ़्त बाँट रहा हूँ, तो लगभग सबने यही नतीजा निकाला कि मेरा दिमाग़ फिर गया है — एक ऐसा आदमी जो ईश्वर की किसी भी माकूल कृपा से पूरी तरह कट चुका हो।

मैंने अपना मक़सद कभी नहीं समझाया। वह कोई आम मक़सद नहीं था। वह उस ज़िंदगी की संतान था जिसमें जो माल नहीं बिकता, उसे हमेशा सबसे आख़िर में खुले हाथ से उपलब्ध कराया जाना चाहिए — हमेशा आरक्षित रखकर, जैसे किसी पर, किसी दोस्त पर किया गया एहसान।

अमेज़न यह बात अच्छी तरह समझता था, और मुझ जैसे लोगों से इस भ्रम के सहारे लड़ता था कि हमें कोने में छोड़ देना ही हमें हाशिये पर डाल देना है। वह तो बस एक ऐसी जंग का प्रतीक्षालय था जिसमें कोई विजेता नहीं था — सिर्फ़ निपटाने वाले। वे, जो कभी दिखते नहीं, पर सब कुछ बटोर ले जाते हैं।

उन्होंने मुझसे पूछा कि मेरे प्लेटफ़ॉर्म की क़ीमत क्या है। मैं कोई वित्तीय या संपादकीय मूल्य नहीं बता सका — सिर्फ़ एक आर्थिक मूल्य, संभावित उपभोक्ताओं पर आधारित, अमेज़न को बाज़ार का अगुआ मानकर और बिक्री का अनुमान अकेले उसके हासिल किए तेरह प्रतिशत पाठकों पर लगाकर।

अंग्रेज़ी में सौ किताबें। बिंग और गूगल पर जिलेट की पहली खोजों में दिखती हुई। सालाना दो अरब से ज़्यादा व्यूज़ का दृश्यता-क्षेत्र। चार अलग-अलग संस्करणों में उपलब्ध। हर देश में सोलह सौ पाठकों के बाज़ार में। दो सौ आठ भाषाओं में पढ़ी जा सकने वाली। प्रति इकाई नौ डॉलर नब्बे सेंट की औसत क़ीमत पर।

जो आँकड़ा निकला, उसने तीन से पाँच प्रतिशत कम-ज़्यादा की गुंजाइश के साथ, सालाना कारोबार का अनुमान लगभग एक सौ पचहत्तर अरब डॉलर पर ला रखा।

उस आदमी के लिए कोई मामूली बात नहीं जो महीने के सत्तर डॉलर पर जीता हो — और वह सब भी बाँट देता हो।

फिर भी फ्रेगा हर इंटरव्यू के लिए सिर्फ़ एक डॉलर माँग रहा था। और जब उससे पूछा गया कि अधिकारों और मालिकाना हक़ के बदले वह क्या चाहेगा, तो जवाब ने सबको चौंका दिया।

वह सब कुछ सिर्फ़ अपनी माँ को लौटाएगा। किसी और के लिए वह ऐसा नहीं करेगा। यह इज़्ज़त का क़र्ज़ था — उसके प्रति जिसने सब कुछ मुमकिन किया था — यहाँ तक कि लोग रुककर पूछने लगे:

यह कमबख़्त फ्रेगा आख़िर है कौन?

नांदो